

1	A	कार्यालयी भाषा - (1) सरल भाषा
		के गुण (2) सुस्पष्ट
		(3) जनसामान्य की समझ के अंतर्गत हो
		(4) औपचारिक
		(5) अर्थ स्पष्ट हो अर्थात् शब्दों का अर्थ स्पष्ट निकले ताकि भ्रमभेद या अनेक अर्थ न निकले बल्कि सही व सटीक अर्थ ग्रहण करें

1	B	किसी कार्यालय के मुख्यालय द्वारा एक ही सूचना को एक साथ कई कार्यालयों को भेजने हेतु प्रपत्र लिखा जाता है ताकि
		→ सूचना में एकरूपता रहे
		→ समय, समय, व्यव लाघव
		→ सामान्य सूचना का सरल संप्रेषण

1	C	<div style="display: flex; justify-content: space-between;"> <div style="width: 45%;"> <p>→ साधन <u>करण कारक</u></p> <p>→ जिस शब्द से किसी कार्य या क्रिया को</p> </div> <div style="width: 45%;"> <p>→ अलग्गव <u>अपादान कारक</u></p> <p>→ जिस शब्द से किसी व्यक्ति या वस्तु</p> </div> </div>
---	---	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

प्रश्न
संख्यामुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	संपन्न किया जाए।	के अलग होने
		→ जैसे - राहुल बस	का भाव प्रकट हो
		से घर गया।	जैसे - पेड़ खेपते
			गिरते हैं।
		→ विभक्ति - 'से', 'द्वारा'	→ विभक्ति - 'से'
1	D	पश्चिमी हिंदी	① खड़ी बोली
		↳ बोलियाँ	② बज
			③ कन्नौजी
			④ बुंदेली
1	E		→ अनुवाद सरल व अर्थ सुस्पष्ट हो
			→ भाषा प्रवाहमय हो
			→ प्रचलित शब्दों का प्रयोग न
			कि अथावह शब्दों का
			→ क्लिष्ट स्वर प्रदान करे।
1	F	विसर्ग के पश्चात् स्वर या व्यंजन	आने पर विसर्ग नै-जो परिवर्तित होता
			है, इसे विसर्ग सचि कहते हैं।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
 (Mains Answer Sheet)

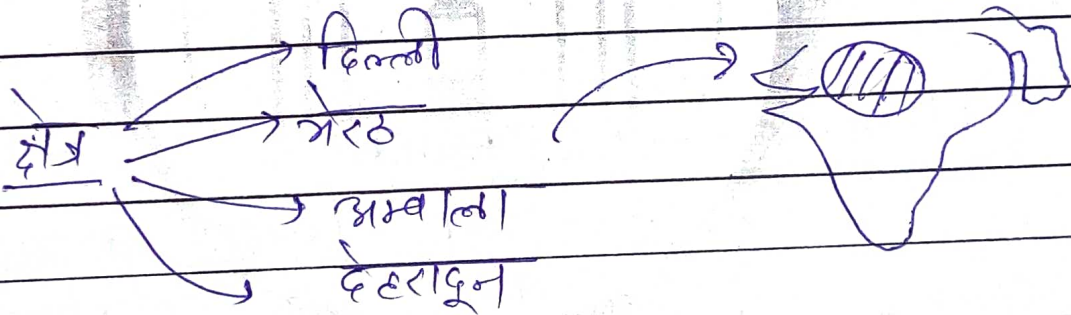
प्रश्न
 संख्या

जैसे — मनः + योग = मनोयोग

तपः + भूमि = तपोभूमि

खड़ी बोली का विकास —

~~हिंदी~~ ~~आंध्र~~ → पश्चिमी हिंदी → कोरवी → खड़ी बोली
 (साहित्यिक कोरवी)



अनुसूत → कवि
 ↓
 शिवसिंह सैंगल → पुल्य

पद्यम कवि → राहुल सांकृत्यायन → सरहपा

→ डा. छगनपति → शालिभद्र

रचना - भरनेश्वर
 बाहुबल राह

I j	नागरी प्रचारिणी सभा -
□ □	① स्थापना - 1893 ई.
□ □	② उद्देश्य → कचहरी (अदालतों) में
□ □	नागरी का प्रवेश
□ □	नागरी का विकास
□ □	वैज्ञानिक व तकनीकी शब्दावली
□ □	आयोग → स्थापना - 1961 में
□ □	स्थान - नई दिल्ली
□ □	
□ □	
□ □	
□ □	
I k	विशेषताएँ - ① एकरूपता
□ □	② अर्थ सुस्पष्ट व सरल
□ □	③ मानक शब्द के तौर पर
□ □	प्रयोग
□ □	④ औपचारिक ग्रन्थता प्राप्त
□ □	
□ □	
I l	स्मृत + चरित्र + ता
□ □	↓ ↓ ↓
□ □	उपसर्ग शूलशब्द प्रत्यय
□ □	
□ □	
I M	हिंदी का वह विशिष्ट रूप
□ □	या शैली जो
□ □	प्रयोजन शूलक है
□ □	↓
□ □	किसी विशेषता के कारण
□ □	संश्रुत

J	N	विशेषताएँ → ① वाक्य सरल व स्पष्ट हों।
		② व्याख्या → विस्तार
		③ विषयानुसृत विवेचन
		④ व्यापकता
I	O	कार्यालय आदेश → सरकारी प्रयोजनार्थ (Office Order) → कार्यालय विशेष तक सीमित → आंतरिक → राजपत्रित अधिकारियों या कर्मियों के बीच → सूचनार्थ / प्रदर्शनार्थ / आदेश अनुपालनार्थ हेतु
I	K	कं वर्ग → क, ख, ग, घ, ङ. उच्चारण स्थल → कंठ व्यंजन
I	R	द्विभाषा नीति के अंतर्गत आधारभूत ज्ञान (संख्यात्मक तथा भाषायी) के अंतर्गत दो भाषाओं → मातृभाषा (क्षेत्रीय भाषा) का ज्ञान → अंग्रेजी

प्रश्न
संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का पथ है ज्ञान

0	2	
		कार्यालय
		कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट,
		इंदौर
		क्रमांक - का.आ. / 5 / 230
		दिनांक -
		— आदेश —
		परिभाषा में चल रही शीतलहर व
		कोहरे को देखते हुये जिला - इंदौर के
		सभस्र म.प्र. बोर्ड, सीबीएच ई., मदरसा
		बोर्ड, आई.ए.एल.ई., संस्कृत बोर्ड द्वारा
		संचालित प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाएँ
		सहित कस्तूरबा गांधी विद्यालय दिनांक -
		तक बंद रहेंगे, ऐसा आदेश दिया जाता
		है। पूर्व निर्धारित परीक्षाएँ संचालित की
		जा सकती हैं।
		उपरोक्त आदेश केवल विद्यार्थियों के
		लिए है। अध्यापक / कर्मचारी अपने शासन/
		विभाग / प्रबंधन द्वारा लॉक गार कार्य नियमित
		रूप से से 10:00 अपराह्न से 5:00 अपराह्न
		तक करते रहेंगे।
		हस्ताक्षर
		करवग
		जिलाधिकारी, इंदौर
		प्रतिलिपि,
		अवल

0	4	
		<u>अथवा</u>
		हमें आजादी एक महान क्रांति के बाद प्राप्त होनी ही हमारा संविधान क्रांति के बाद तैयार हुआ। सामाज्य से हमारा संविधान हमें भूतकाल से (इतिहास) सीखे पाठों को पुनर्निश्चित करता है। इसलिए हमारे पास पथमिरपेक्षा, देश के समस्त पुरुष एवं महिलाओं को बराबर अधिकार प्राप्त हैं। आज क्षेत्रवाद की समस्या का सामना करने की कोश को शाखाएँ नहीं हैं। क्योंकि हमारे देश में विभिन्न क्षेत्र व भाषाएँ हैं; इसलिए हमारा सामाजिक ढाँचा बहुत जटिल है। लोग अपने क्षेत्र के प्रति बफादार हैं। इनका क्षेत्र के प्रति समर्पण बहुत गजबूत व शक्तिशाली है जिससे वे देश के प्रति बफादारी की अवहेलना करते हैं। यह खतरनाक स्थिति है। हमारा समर्पण अपने देश के प्रति होना चाहिए। क्षेत्रवाद एक संकीर्ण सोच है। यह देश की एकता और विकास के लिए खतरनाक (बाधा) है। क्षेत्र के प्रति प्रेम सही है किंतु यह राष्ट्रवाद की

कीमत पर नहीं। ~~अव्यक्ति~~

0 5

भाव पल्लवन -

चैर्यवान जैसे मृग को घाल करेने वाला व्यक्ति सागर के जैसी हृदय की विशालता और गम्भीरता रखता है, जि जो अथाह है। वह अपनी भयानियों का उल्लंघन इस समय भी नहीं करता जब उसके सामने गंभीर संकट आये या फिर बहुत खुशी का समय अर्थात् सुख व दुःख में चैर्य रखकर संतुलित व्यवहार करता है जैसे - सागर में चाहे आम्रदायक नद- नदियाँ गिरे या फिर गभीर का त्या आँधी का संकट वह जरा भी नहीं छलकता या अपनी हृदय का उल्लंघन करता है इतना ही नहीं जब वर्षा लेगी है तो नदियाँ बहने लगती हैं। इससे हाथी भी बहने लगता है और जैसे ही कुछ समय से वर्षा रुकी और हाथी बच गया। इस तरह चैर्यशील व्यक्ति हर परिस्थिति का सागर के समान

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

भारत का नं 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	प्रकृति → कृत्रिम	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	दो प्रकार के → दोहरा (66 99) इकहरा (6 9)	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	1	शिकार
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	2	अपराध
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	3	लावसा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	4	पुष्टि का अपराध
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		आर्थिक सांभानिक समस्याओं
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	2	→ विकेक व ईमानदारी को त्याग रहा है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	5	नैतिक मूल्यों और विकेक को त्याग
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	3	नैतिक मूल्य → सामाजिक समस्त / नियम / परम्पराएँ जो उचित हैं, सर्वमान्य हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		→ समाज के विकास, प्रगति व अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	4	एश्वर्य, नैतिक सुविधाओं → की इच्छा साहस्य, सफलता

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	
<input checked="" type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	हाथ के ताले उड़ना -
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अर्थ - बुरा समाचार पाकर धक्का खाना, भौंचक्का रह जाना
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	वाक्य प्रयोग - सामने शेर को आता देख राम के हाथ ताले उड़ गये।
<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	अर्थ - असंभव कार्य करना
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	प्रयोग - राम पत्थर से पानी निकालने की कोशिश में उल्टी गंगा बहाना चाहता है।
<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	अर्थ - अयोग्य व्यक्ति को मूल्यवान वस्तु मिलना
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	प्रयोग - थार ! इस पानवी फेल को राम पत्थर मिल गयी। अर्थ के हाथ बटोर लग गयी।
<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	अर्थ - दुर्लभ मूल्यवान होना
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	प्रयोग - शुद्ध ही अब मूल्य का मूल ले गया है।
<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	अर्थ - इधर से जलना
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	प्रयोग - उसके कार लेने ही पड़ोसी के धानी पर साँप मोरने लगे हैं।

